Global Journal of Multidisciplinary Studies
Volume 8, Issue 6, May 2019
ISSN:- 2348-0459 Available online at www.gjms.edwin.co.in

# प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजनाः चुनौतियाँ उपलब्धियाँ और भविष्य

(विभागाध्यक्ष वाणिज्य संकाय)

डॉ.पंकज मिश्र

संत तुलसीदास पी.जी. कालेज,

कादीपुर-सुलतानपुर, उ0प्र0।

भूमिकाः.

भारत विभिन्न क्षमता और प्राकृतिक रूप से भिन्न स्वरूप वाला देश है। यहां की विभिन्नता के अनुसार ही देश की विशेषताएं, क्षमताएं एवं समस्याएं अलग-अलग है। विश्व की दूसरी बड़ी जनसंख्या जबकि भू-भाग विश्व का केवल 16ः लेकर भारत अपनी विभिन्न प्रकार की चुनौतियों को निपटाते हुए विकास की एक अवस्था से दूसरी अवस्था में पहुंचकर उच्चतम् स्थान प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो रहा है। यही से भारत की चुनौतियों का सामना विभिन्न परिस्थितियों से होता है क्योंकि अर्थव्यवस्था का संचालन एवं उसकी गतिशीलता हमेशा एक चुनौती बनी हुई होती है। इन्ही चुनौतियों का चक्रव्यूह तोड़ने के लिए देश की सरकार अपनी तमाम कोशिसों को अंजाम देती है यदि सरकार की दृढ़निश्चितता दृढ़ता से कार्य करती है तो विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अपने उद्देश्यों को पूर्ण करती है।

भारत की बढ़ती जनसंख्या के कारण देश के सम्मुख सबसे बड़ी चुनौती रोजगार एवं उसकी स्वस्थ्य दशाओं की होती है, जो देश की अर्थव्यवस्था पर सीधा प्रभाव डालती है भारत के कई घटको को मिलाकर देश के विकास के लिए रोजगार की नीति को एक महत्वपूर्ण नीतिगत प्राथमिकता के क्षेत्र मंे रखकर चल रहा है इसकी शुरूआत जनसंख्यिकीय कारणों से शुरू होती है, भारत इस समय चाहे तो अपनी जनसंख्या का सर्वोत्तम लाभ उठा सकता है। आने वाले दशको में भारतीय अर्थव्यवस्था में 15 से 59 वर्ष आयु वर्ग के लोगों की संख्या सर्वाधिक होगी भारत के पास सामयिक रूप से युवा आबादी का सदुपयोग करने का समय कम है। परन्तु भारतीय नागरिकों की वित्तीय क्षमता सीमित है। देश में अनुमानतः 50 लाख युवा रोजगार हेतु बाजार में प्रवेश करते है भारतीय लोगो के लिए यही से रोजगार उद्यमशीलता और विभिन्न संसाधनो हेतु वित्तीय संसाधनों की कमी से जूझाना पड़ता है इसलिए वर्तमान मंे सरकार को संसाधनों के बढ़ावा हेतु नये वित्तीय आकार का सृजन करना एवं उसे बढ़ाना जिससे देश के संसाधनों को सदुपयोग करके नये व्यावसायिक नीति का निर्माण हो इसके लिए एक तत्तकालिक एवं व्यवस्थित नीति की आवश्यकता है।

देश मे रोजगार को बढ़ाना सरकार के लिए बहुत बड़ी समस्या बनती जा रही है जिसमें लोगो के पास स्वरोजगार हेतु संसाधनों की कमी तथा उद्यमशीलता का आभाव प्रमुख है। देश में रोजगार की मांग बहुत है पर पूर्ति बहुत ही दयनीय दिशा में है। देश में कौशल अन्तराल अध्ययन से पता चला है कि देश में वर्ष 2022 तक 24 उच्च विकास क्षेत्रों के लिए 10.9 लाख कुशल मानव संसाधनो की आवश्यकता होगी जिसके लिए वित्तीय व्यवस्था करना एक मूल समस्या है। भारत सरकार

Global Journal of Multidisciplinary Studies
Volume 8, Issue 6, May 2019
ISSN:- 2348-0459 Available online at www.gjms.edwin.co.in

युवाओ के लिए बाजार में रोजगार स्थापना हेतु अनुकूल वातावरण तैयार कर उनको उद्यशीलता हेतु सक्षम बनाने के लिए स्वरोजगार हेतु उत्तम एवं ठोस कदम पर विचार करके विभिन्न योजनाओं का सहारा लेकर कार्य के लिए प्रतिवद्ध है। इसी कड़ी में भारत सरकार ने अपनी प्राथमिकता दिखाते हुए मुद्रा लोन योजना का सहारा लिया जिससे लोगों को स्वरोजगार एवं लोगों के लिए रोजगार के लिए अवसर प्रदान किया जा सके लोग वितीय संसाधनो के द्वारा कुशल रोजगार संचालन कर सके। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी ने सन् 2014 में सरकार में आने के बाद अप्रैल 2015 में प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना का शुभारम्भ किया इसमें रोजगार करने के लिए अधिकतम् 10 लाख रूपये का लोन प्रदान किया जाता है इससे छोटा व्यावसाय शुरू करना, पहले से स्थापित व्यवसाय का विस्तार करने के लिए प्रदान किया जाता है। प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना में तीन प्रकार से लोन दिया जाता है।

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन का स्वरूप

| शिशु मुद्रा लोन | किशोर मुद्रा लोन | तरूण ुमुद्रा लोन |
|---|---|---|
| ऋण की राशि (50000 तक) | ऋण की राशि ( 50001 से 500000 तक) | ऋण की राशि (500001 से 1000000 लाख तक) |

इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के अन्तर्गत शिशु मुद्रा लोन में 50000 तक किशोर मुद्रा लोन 50001 से लेकर 500000 का लोन ले सकते है तथा तरूण मुद्रा लोन के अन्तर्गत ऋण की शशि 500001 से लेकर 10,00,000 तक हो सकती है।

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के तहत केन्द्र सरकार के द्वारा कुल तीन लाख करोड़ रूपये का बजट प्रस्तावित किया गया था जिसमें से 1.75 लाख करोड़ रूपये का लोन बाँटा जा चुका है इसमें जो लोग लोन लेना चाहते है उनको किसी भी प्रकार का कोई प्रोसोसिंग शुल्क नहीं देना होगा। परन्तु तरूण ऋण लोन की राशि है तो इसके लिए 5ः प्रोसोसिंग चार्ज की व्यवस्था की गयी है। प्रधानमंत्री की इस योजना के माध्यम से लोगो को छोटे स्तर के व्यवसाय करने के लिए आसानी से ऋण मिलने पर नवयुवक बड़े पैमाने पर स्वरोजगार के लिए प्रेरित होगे तथा उद्यमशीलता के माध्यम से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर बनाने में सफल होगे।

सरकार ने रिसर्च में पाया कि लोगों को बैंको के माध्यम से ऋण की प्राप्ति हेतु काफी औपचारिकताओं को पूरा करना पड़ता था और लोन की राशि के लिए गारण्टी भी देनी पड़ती थी यह एक बहुत बड़ा रोड़ा था जिसमें लोग ऋण लेकर कार्य तो करना चाहते थे पर ऋण प्राप्त करने की समस्याओं के कारण बैंक लोन लेने से कतराते थे।

इन्ही कमियों को स्थायी रूप से दूर करने के लिए भारत सरकार ने इस योजना के द्वारा ऋण हेतु गारण्टी को समाप्त करके तमाम औपचारिकताओं को कम से कम स्तर पर ला दिया।

Global Journal of Multidisciplinary Studies
Volume 8, Issue 6, May 2019
ISSN:- 2348-0459 Available online at www.gjms.edwin.co.in

सरकार ने 23 मार्च 2018 तक मुद्रा योजना के तहत 228144 करोड़ के लोन मंजूर किए जा चुके है तथा 23 मार्च 2018 तक 220595 करोड़ रूपये का मुद्रा लोन बांटा जा चुका है। प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के अन्तर्गत अलग-अलग बैंको का ब्याज दर अलग-अलग है इसकी ब्याज दर व्यवसाय के जोखिम के आधार पर निर्भर करती है सामान्यताः ब्याज दर 12ः है।

ऋण प्राप्त करने हेतु जरूरतमंद व्यक्ति के अपने निकटतम बैंक से सम्पर्क करके आवश्यक दस्तावेज संकलित करके शाखा के मैनेजर को देना होता है जिससे मैनेजर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करवा कर देखता है और न्यूनतम दस्तावेजो की संस्तुति प्राप्त कर लोन प्रदान किया जाता है।

मुद्रा लोन प्राप्ति हेतु आवश्यक दस्तावेजः- देश के छोटे कारोबारी बनने या अपने व्यवसाय की सुधार हेतु अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहते है तो निम्न कागजातों का प्रबन्ध करके मुद्रा लोन योजना में आवेदन कर सकते है।

1. आवेदक की आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए।
2. आवेदक किसी भी बैंक में डिफाल्टर नहीं होना चाहिए।
3. आधार कार्ड।
4. पैन कार्ड।
5. आवेदक का स्थायी पता।
6. स्थापना का प्रमाण-पत्र एवं बिजनेस करने के स्थान का पता।
7. पिछले तीन साल का आर्थिक चिट्ठा विस्तार के लिए लोन लेने पर।
8. आयकर रिटर्न का प्रमाण पत्र।
9. नवीनतम् पासपोर्ट साइज फोटों (आवेदक का)

उपरोक्त कागजातो के साथ बैंक का आवेदन फार्म भरना होता है और यदि किसी भी प्रकार की समस्या हो तो उसके समाधान हेतु राज्यों के हेल्पलाइन नम्बर पर सम्पर्क किया जा सकता है।

मुद्रा लोन योजना का हेल्पलाइन नम्बर

(राज्यवार)

| राज्य | फोन नम्बर | राज्य का नाम | फोन नम्बर |
|---|---|---|---|
| उत्तर प्रदेश | 18001027788 | दादर नगर हवेली | 18002338944 |
| | | गुजरात | 18002338944 |
| पश्चिम बंगाल | 18003453344 | गोवा, | 18002333202 |
| | | हिमांचल प्रदेश | 18001802222 |
| उत्तराखण्ड | 18001804167 | हरियाणा, | 18001802222 |
| | | झारखण्ड | 18003456576 |
| महाराष्ट्र | 18001022636 | जम्मू कश्मीर, | 18001807087 |
| | | केरल | 180042511222 |

Global Journal of Multidisciplinary Studies
Volume 8, Issue 6, May 2019
ISSN:- 2348-0459 Available online at www.gjms.edwin.co.in

चंडीगढ़ 18001804383 कर्नाटक 180042597777

लक्ष्यदीप 4842369090

तेलंगाना 18004258933 मेघालय, 18003453988

मणिपुर 18003453988

त्रिपुरा 18003453344 छत्तीसगढ़, 18003453988

थ्मजोरम 18002334358

तमिलनाडु 18004251646 नागालैण्ड, 18002334035

मध्यप्रदेश 18003453988

अरूणाचल प्रदेश 18003453988 ओडिशा, 18001800124

दिल्ली 180018002222

बिहार 18009451195 पंजाब, 18004250016

पुडुचेरी 18001802222

आन्ध्रप्रदेश 18004251525 राजस्थान, 18001806546

सिक्किम 18004251646

टसम 18003453988

दमन दीव 18002338944

स्रोत - मुद्रा लोन योजना बेवसाइट।

मुद्रा लोन योजना की उपलब्धियाँ:- भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बहुत बड़ा योगदान छोटे वर्ग के व्यापारियों का है। ये छोटी-छोटी यूनिटो के माध्यम से बड़ा योगदान करते है। इन्ही छोटे वर्ग के व्यापारियों द्वारा स्वरोजगार एवं उद्यमशीलता से रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जाता है। इन्हीं प्रमुख बातों पर ध्यान रखकर सरकार ने मुद्रा लोन योजना के माध्यम से इस पर कार्य करना प्रारम्भ किया है इसके माध्यम से देश के छोटे वर्ग के व्यापारिक एवं हुनरमंद लोगो को मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसकी कुछ प्रमुख उपलब्धियांॅ निम्न है।

1. देश के छोटे वर्ग के व्यापारियों का विस्तार स्टार्टअप का विकास होना।
2. भारतीय छोटे व्यापारियों में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की भावना को जागृत करना।
3. उद्यमियों एवं व्यापारियों को ऋण लेने के लिए जमानत से मुक्त कर स्वच्छ माहौल तैयार करने में मदद करना।
4. लोन देने के लिए देश के सभी बैंक जिसमें 27 सरकारी बैंक 18 प्राइवेट बैक और 45 ग्रामीण व सहकारी बैक के द्वारा ऋण वितरण कार्य सम्पन्न किया जा रहा है।
5. ऋण की राशि को तीन भागों में बटा गया है जिसके द्वारा छोटे वर्ग को सहायता प्राप्त हो रही है।

Global Journal of Multidisciplinary Studies
Volume 8, Issue 6, May 2019
ISSN:- 2348-0459 Available online at www.gjms.edwin.co.in

6. राज्यवार सूचना प्राप्ति हेतु टोल फ्री नम्बर के द्वारा जरूरतमंदो को जानकारी प्रदान करना जिससे उन्हें बैंको का चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं।

7. रूपे कार्ड जारी करके ग्राहकों को ए0टी0एम0 से बंेी निकालने की आजादी बैंक आने की जरूरत नहीं।

8. छोटे कारोबारियों को सूदखोरो एवं साहूकारो से मुक्ति मुद्रा लोन योजना के माध्यम से प्राप्त हुई है।

9. व्यावसाय स्टार्ट एवं विस्तार दोने कार्यो हेतु लोन की उपलब्धता।

10. मुद्रा लोन योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि उसके द्वारा दी गयी व्यापारियों को ऋण की राशि से है जो निम्न है।

| वितीय वर्ष | स्वीकृत ऋण राशि (करोड़ में) | वितरित ऋण राशि (करोड़ मंेें) |
|---|---|---|
| 2015-16 | 34880924 | 132954.73 |
| 2016-17 | 39701047 | 175312.13 |
| 2017-18 | 48130593 | 246437.40 |
| 2018-19 | 59870318 | 311811.38 |
| 2019-20 | 47823436 | 248783.38 |

स्रोत - प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना रिपोर्ट 2020।

इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना व्यापारियों के लिए जीवन रक्त का कार्य कर रही है लोगों को स्टाटअप के लिए पैसे की चिन्ता न गारण्टी की चिन्ता।

सम्भावनाएँ:-

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना विगत पांॅच सालो में कई उतार चढ़ाव से गुजर रही है मुद्रा लोन द्वारा व्यापारियों वर्ग को बहुत बड़ा सहयोग मिला है मगर इसे भविष्य में बनाए रखना सरकार के लिए एक चुनौती साबित होगा त्ठप् की रिपोर्ट के अनुसार लोग समय पर ऋण की राशि वापस नहीं कर रहे है जिससे छच्। ;छवद च्मतवितउपदह ।ेेमजद्ध की संख्या बढ़ रही है लोगो को जागरूक होकर इसका लाभ लेना होगा और तत्पर होकर अपने दायित्व को समय पर पूर्ण करके योगदान देना होगा।

माइक्रो फाइनेन्स की इस स्कीम का पालन लोग यदि सही ढंग से करे तो यह देश के छोटे व्यापारिक वर्गो की दिशा दशा बदलने में बहुत सक्षम एवं क्षमतापूर्ण होगा। सब कुछ ठीक रहा तो इस योजना के तहत कई करोड़ परिवार रोजगार प्राप्त कर सकते है।

संदर्भ -

1. कुरूक्षेत्र मासिक पत्रिका।

2. मुद्रा लोन योजना बेवसाइट।

3. ूूूण्चउसअण्ह

4. ूूूण्पदकपंपदण्सवंदण्बवउ